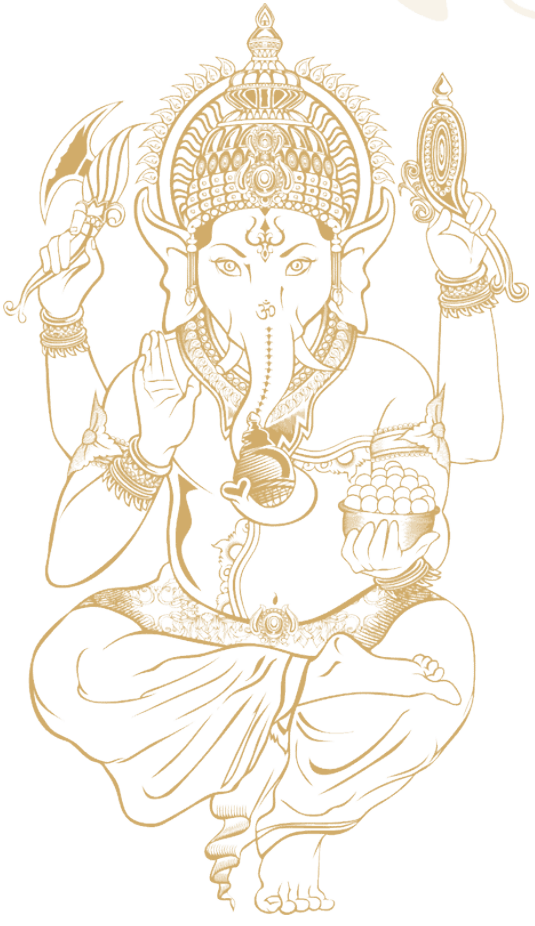

Sushil kumar katiyar

10 Jun 1960

04:10 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121427604

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**9-10/06/1960**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:10:00 घंटे**
इष्ट	57:16:33 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:01:16 घंटे
वेलान्तर	00:00:54 घंटे
साम्पातिक काल	21:14:27 घंटे
सूर्योदय	05:15:22 घंटे
सूर्यास्त	19:00:38 घंटे
दिनमान	13:45:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	25:45:15 वृष
लग्न के अंश	08:06:59 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	08:06:59	388:33:25	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			वृष	25:45:15	00:57:20	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	01:30:51	15:18:25	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मीन	29:00:58	00:44:28	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मित्र राशि
बुध			मिथु	18:09:33	01:27:08	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	स्वराशि
गुरु	व		धनु	06:42:47	00:07:22	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	स्वराशि
शुक्र		अ	वृष	22:16:18	01:13:39	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि	व		धनु	23:42:46	00:03:37	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
राहु	व		सिंह	26:51:37	00:10:25	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	26:51:37	00:10:25	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			कर्क	24:34:05	00:02:19	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	---
नेप	व		तुला	13:25:56	00:01:06	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
प्लूटो			सिंह	10:27:03	00:00:46	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
दशम भाव			मक	22:50:36	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:18:13

लग्न-चलित

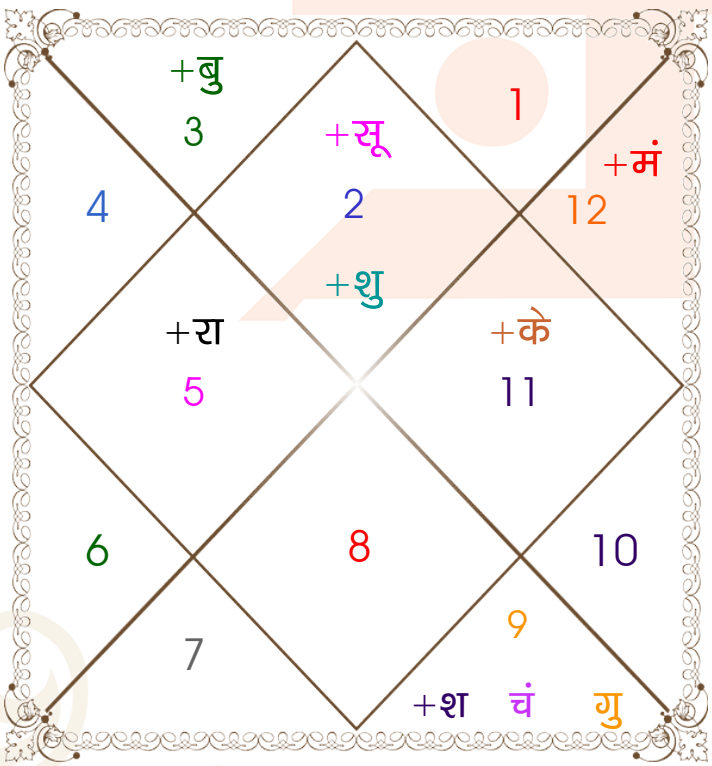

चन्द्र कुंडली

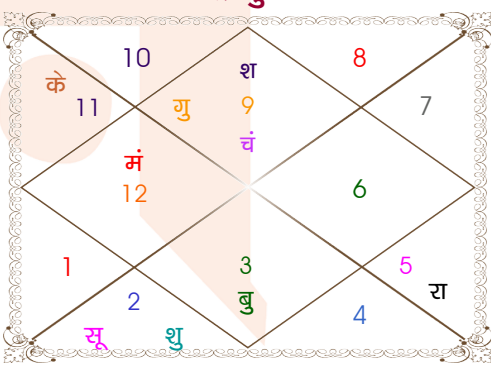

नवमांश कुंडली

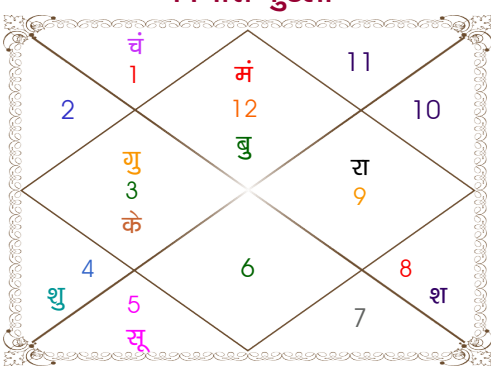

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 2 मास 14 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/06/1960		24/08/1966		24/08/1986		24/08/1992		24/08/2002	
24/08/1966		24/08/1986		24/08/1992		24/08/2002		24/08/2009	
	10/06/1960	शुक्र	24/12/1969	सूर्य	12/12/1986	चंद्र	24/06/1993	मंगल	20/01/2003
शुक्र	22/03/1961	सूर्य	24/12/1970	चंद्र	12/06/1987	मंगल	23/01/1994	राहु	08/02/2004
सूर्य	27/07/1961	चंद्र	24/08/1972	मंगल	18/10/1987	राहु	25/07/1995	गुरु	14/01/2005
चंद्र	26/02/1962	मंगल	24/10/1973	राहु	11/09/1988	गुरु	23/11/1996	शनि	22/02/2006
मंगल	25/07/1962	राहु	23/10/1976	गुरु	30/06/1989	शनि	24/06/1998	बुध	20/02/2007
राहु	12/08/1963	गुरु	24/06/1979	शनि	12/06/1990	बुध	24/11/1999	केतु	19/07/2007
गुरु	18/07/1964	शनि	24/08/1982	बुध	18/04/1991	केतु	24/06/2000	शुक्र	17/09/2008
शनि	27/08/1965	बुध	24/06/1985	केतु	24/08/1991	शुक्र	22/02/2002	सूर्य	23/01/2009
बुध	24/08/1966	केतु	24/08/1986	शुक्र	24/08/1992	सूर्य	24/08/2002	चंद्र	24/08/2009

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/08/2009		24/08/2027		24/08/2043		24/08/2062		24/08/2079	
24/08/2027		24/08/2043		24/08/2062		24/08/2079		00/00/0000	
राहु	06/05/2012	गुरु	12/10/2029	शनि	27/08/2046	बुध	20/01/2065	केतु	20/01/2080
गुरु	30/09/2014	शनि	24/04/2032	बुध	06/05/2049	केतु	17/01/2066	शुक्र	10/06/2080
शनि	06/08/2017	बुध	31/07/2034	केतु	15/06/2050	शुक्र	17/11/2068		00/00/0000
बुध	23/02/2020	केतु	07/07/2035	शुक्र	15/08/2053	सूर्य	23/09/2069		00/00/0000
केतु	12/03/2021	शुक्र	07/03/2038	सूर्य	28/07/2054	चंद्र	23/02/2071		00/00/0000
शुक्र	12/03/2024	सूर्य	24/12/2038	चंद्र	26/02/2056	मंगल	20/02/2072		00/00/0000
सूर्य	04/02/2025	चंद्र	24/04/2040	मंगल	06/04/2057	राहु	08/09/2074		00/00/0000
चंद्र	06/08/2026	मंगल	31/03/2041	राहु	11/02/2060	गुरु	14/12/2076		00/00/0000
मंगल	24/08/2027	राहु	24/08/2043	गुरु	24/08/2062	शनि	24/08/2079		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 2 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ है। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न में मीन का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण उदित था। उपयुक्त लग्न नवमांश के प्रभाव से आप जब मानवीय जीवन में प्रवेश की अर्थात् बाल्यकाल से ही आपका जीवन अच्छे विचार से प्रारंभ हुआ। यथा उत्तम प्रकार का भोजन, उदार भावना, उत्कृष्ट साज-श्रृंगार पहनावा आदि अन्य व्यक्तियों को प्रभावित करता है। आप काम शक्ति भावना से प्रेरित हैं, तथा आप अपनी संपत्ति को यथा संभव अखंडित एवं अपव्यय रहित धन कोष की वृद्धि के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहने का ज्ञान आप में विद्यमान है। आप धन की महत्ता को भलीं प्रकार जानती हैं, तथा धन संचयन को महत्व देती हैं। आप अपने धन का निवेश एवं व्यय के प्रति अत्यंत सतर्क रहेंगी। तथापि आपकी एक छोटी यह समस्या है कि अकस्मात् आप ठीक निर्धारित समय पर काम के प्रति आलस्य ग्रस्त हो जाती हैं, तथा शीघ्र ही उस कार्य को सुलभ और आसान समझ लेती हैं। आपको इस प्रकार की मनोवृति में बदलाव लाना अर्थात् दमन करना आवश्यक है।

यद्यपि आप सांसारिक सुखों से युक्त, धन से संपन्न एवं अत्यधिक सुसंस्कृत हैं। आप बहुत बड़े धार्मिक तथा धर्मस्थलों की यात्रा भी करती रहती हैं। आपने अब तक निश्चित रूप से कई आंशिक यात्रा के क्रम में सामुद्रिक यात्रा करके बहुत व्यापाक रूप से मित्र बनाए हैं और बहुत मात्रा में देश और विदेश के क्षेत्रों में आपके कई घनिष्ट मित्र बन चुके हैं। वे लोग आपके कार्य-कलाप में मुख्य भूमिका निभाते हैं। आप भी उन मित्रों के साथ सहयोगात्मक भावना से यदा-कदा उनकी सहायता के लिए समय-समय पर निश्चित रूप से जाती हैं।

आप मध्यम कद की उन्नत लालट एवं चमकीली आखों से युक्त हैं। आप अधिक समय तक सुंदर स्वास्थ्य से युक्त एवं आनंद प्राप्त करती रहेंगे। परंतु कुछ वर्षों के पश्चात् आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उपस्थित होंगी। यथा मस्तिष्क ज्वर, कब्जीयत फोड़ा फुंसी एवं रक्त दोष से आशंत होंगी। आपको एक बार बीमार होने से परेशानी उपस्थित होगी कि आप दीर्घकालीन रोगग्रत होंगी तथा आप दौर्बल्यता के कारण बेहोश भी हो जाया करेंगी, तथा आपको स्वास्थ्य लाभ की क्षमता सीमित मात्रा में रहेगी। अतएव आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। अन्यथा इस प्रकार ऐसा संभाव्य है कि आप रोग से मुक्त नहीं हो सकेंगी। आप स्वयं द्वारा पसंद किये गये जीवन साथी के साथ पूर्ण रूपेण बहुत दिनों तक आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु एक बार अपनी इच्छानुसार आश्वस्त होकर सामंजस्य कर लें तो जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा तथा पारिवारिक जीवन सुखमय रहेग।

सामान्यतः आपको निर्देश है कि आपका प्रभाव बृष राशीय दृष्टिकोण से प्रभावित है अतः आपके लिए बृश्चिक, मीन, कन्या एवं मकर राशि के व्यक्ति अनुकूल रहेंगे। यदि आप इन राशि वालों से संबंधित रहे तों आपका भौतिकी जीवन सुखमय एवं मधुर रहेगा।

अंततः आप बहुत अधिक सचेत महिला हैं, अस्तु आपको निम्नलिखित विषयों पर

ध्यान देना आवश्यक है।

आप लाल रंग का उपयोग अपने जीवन में कदापि नहीं करें। क्योंकि यह रंग आपके लिए प्रतिकूल है। आपके लिए हरा, गुलाबी, एवं सफेद रंग जन्म प्रभाव से अनुकूल है।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक पूर्ण रूपेण प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त अंक 7 एवं 8 अंक आपके लिए आकर्षक है। अंक-1, 3, 4 एवं 6 अंक आपके लिए निष्क्रिय दिन हैं।